

ਮਹਾਕਵਿ ਸੁਭਰਮਣ्यਮ ਭਾਰਤੀ ਕੀ ਜਧੀਂ ਦੀ ਉਪਲਕਖ ਮੈਂ 'ਭਾਰਤੀਅ ਭਾਸ਼ਾ ਤੱਤਸ਼ਵ' ਕਾ ਆਯੋਜਨ

ਭਾਰਤੀਅ ਭਾਸ਼ਾਓਂ ਕੀ ਸ਼ਿਕਸ਼ਾ ਕੇ ਪ੍ਰਤੀਕ ਸਤਰ ਪਰ ਸ਼ਾਮਿਲ ਕਰਨਾ ਜਣਨੀ : ਪ੍ਰੋ. ਸੁਦੇਸ਼

ਗੋਹਾਨਾ, 12 ਦਿਸੰਬਰ (ਅਰੋਡਾ) : ਬੀ.ਪੀ.ਏਸ. ਮਹਿਲਾ ਵਿਸ਼ਵਵਿਦਾਲਾਯ ਕੇ ਕਲਾ ਏਵਾਂ ਭਾਸ਼ਾ ਸੰਕਾਨ ਦੀਆਂ ਵਿਦੇਸ਼ੀਆਂ ਦੀਆਂ ਅਨੁਦਾਨ ਆਯੋਜਨ (ਯੂ.ਜੀ.ਸੀ.) ਕੇ ਦਿਸ਼ਾ-ਨਿਰਦੇਸ਼ਾਂ ਦੀਆਂ ਅਨੁਸਾਰ ਮਹਾਕਵਿ ਸੁਭਰਮਣਾ ਭਾਰਤੀ ਕੀ ਜਧੀਂ ਦੀ ਉਪਲਕਖ ਮੈਂ 'ਭਾਰਤੀਅ ਭਾਸ਼ਾ ਤੱਤਸ਼ਵ' ਕਾ ਆਯੋਜਨ ਕਿਯਾ ਗਿਆ।

ਮਹਿਲਾ ਵਿਸ਼ਵਵਿਦਾਲਾਯ ਕੇ ਬੀ.ਸੀ.ਪੀ.ਐਸ. ਸੁਦੇਸ਼ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਛਾਤ੍ਰਾਂ ਦੀਆਂ ਅਪਨੀ ਜਡੀਂ ਔਰ ਭਾਰਤੀਅ ਪਰਾਪਰਾਓਂ ਵਾਂ ਸਾਂਸਕ੃ਤਿਕ ਮੂਲਕੀਅਤ ਦੀਆਂ ਜੋਡਾਵਾ ਚਾਹਿੇ। ਭਾਰਤ ਦੀ ਭਾਸ਼ਾਈ ਅਤੇ ਸਾਂਸਕ੃ਤਿਕ ਧਰੋਹਰ ਦੀ ਸੰਰਕਿਤ ਕਰਨੇ ਅਤੇ ਬਢਾਵਾ ਦੇਣੇ ਦੇ ਲਿਏ ਭਾਰਤੀ ਭਾਸ਼ਾਓਂ ਦੀਆਂ ਸ਼ਿਕਸ਼ਾ ਦੀ ਸਭੀ ਸ਼ਤੰਤਾਂ ਵਿਖੇ ਸ਼ਾਮਿਲ ਕਰਨਾ ਆਵਾਜ਼ਕ ਹੈ।

ਕਲਾ ਏਵਾਂ ਭਾਸ਼ਾ ਸੰਕਾਨ ਦੀ ਤੀਜੀ ਦੀਨ



ਭਾਰਤੀਅ ਭਾਸ਼ਾ ਤੱਤਸ਼ਵ ਮੈਂ ਉਪਸਥਿਤ ਪ੍ਰਾਧਿਆਪਕ ਅਤੇ ਛਾਤ੍ਰਾਂ।

(ਅਰੋਡਾ)

ਪ੍ਰੋ. ਅਸ਼ੋਕ ਕਰਮਾ ਨੇ 'ਭਾਰਤੀਅ ਭਾਸ਼ਾ ਤੱਤਸ਼ਵ' ਦੀ ਆਯੋਜਨ ਦੀ ਉਦੇਸ਼ ਏਵਾਂ ਤੱਤਸ਼ਵ ਦੀ ਮਹੱਤਤਾ ਦੀ ਅਵਗਤ ਕਰਵਾਈ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਭਾਸ਼ਾ ਵਿਵਿਧਤਾ ਵਿੱਚ ਏਕਤਾ ਦੀ ਭਾਵਨਾ ਕੀ ਬਢਾਵਾ ਦੇਣੇ ਦੇ ਲਿਏ ਮਹਾਕਵਿ ਸੁਭਰਮਣਾ ਭਾਰਤੀ ਕੀ ਜਧੀਂ ਦੀ ਮਨਾਵਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਭਾਸ਼ਾ ਦੀ ਸੁਚਿਤਾ ਬਕਰਾਰ ਰਖਨੇ ਦੀ ਜ਼ਰੂਰਤ ਪਰ ਬਲ ਦਿਤਾ।

ਬੀ.ਸੀ. ਨੇ ਵੈਖਿਕ ਗੀਤਾ ਪਾਠ ਮੈਂ ਑ਨਲਾਈਨ ਲਿਆ ਹਿੱਸਾ

ਗੋਹਾਨਾ (ਅਰੋਡਾ) : ਬੀ.ਪੀ.ਏਸ. ਮਹਿਲਾ ਵਿਸ਼ਵਵਿਦਾਲਾਯ ਕੇ ਬੀ.ਸੀ.ਪ੍ਰੋ.

ਸੁਦੇਸ਼ ਨੇ ਅੰਤਰਰਾਸ਼ਟਰੀ ਗੀਤਾ ਮਹੋਤਤਸ਼ਵ ਮੈਂ ਗੀਤਾ ਜਧੀਂ ਦੀ ਅਵਸਰ ਪਰ ਕੁਰੂਕਸ਼ੇਤਰ ਦੀ ਥੀਮ ਪਾਰਕ ਮੈਂ ਆਯੋਜਿਤ ਵੈਖਿਕ ਗੀਤਾ ਪਾਠ ਮੈਂ ਆਨਲਾਈਨ ਮਾਧਿਅਮ ਦੀ ਹਿੱਸਾ ਲਿਆ। 'ਏਕ ਮਿਨਟ ਏਕ ਸਾਥ ਗੀਤਾ ਪਾਠ' ਨਾਮਕ ਇਸ ਵੈਖਿਕ ਗੀਤਾ ਪਾਠ ਮੈਂ ਮੁਖਾਂ ਮੁਖ ਨਾਕ ਸਿੱਖ ਸੈਨੀ, ਕੇਂਦ੍ਰੀਅ ਤੁਰ੍ਗ ਮੰਤ੍ਰੀ ਮਨੋਹਰ ਲਾਲ, ਗੀਤਾ ਮਨੀਧੀ ਸ਼ਵਾਮੀ ਜ਼ਾਨਾਨਾਂਦ ਸਹਿਤ ਅਨ੍ਯ ਗਣਧਮਾਨ ਹਵਾਲਿਆਂ ਨੇ ਸ਼ਿਰਕਤ ਕੀ।

ਗੀਤਾ ਪਾਠ ਮੈਂ ਆਨਲਾਈਨ ਲਿਆ ਹਿੱਸਾ।

ਪ੍ਰੋ. ਸੁਦੇਸ਼ ਨੇ ਵਿਸ਼ਵਵਿਦਾਲਾਯ ਦੀ ਹਿਤਧਾਰਕਾਂ ਦੀ ਨਾਮ ਅਪਨੇ ਸੰਦੇਸ਼ ਮੈਂ ਕਿਹਾ ਕਿ ਭਾਗਵਦੁ ਗੀਤਾ ਕੀ ਸੰਵਾਦ ਭਾਗਵਾਨੁ ਕ੍ਰਿ਷ਣ ਅਤੇ ਅਰਜੁਨ ਦੀ ਬੀਚ ਕੁਰੂਕਸ਼ੇਤਰ ਦੀ ਯੁਦਧ ਭੂਮੀ ਪਰ ਹੁਆ ਥਾ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਜੀਵਨ ਦੀ ਹਰ ਫਲੂ ਦੀ ਜੂਝੀ ਹੁੰਦੀ ਹੈ ਗੀਤਾ ਵਿੱਚ ਧਰਮ, ਕਰਮ, ਧੋਗ, ਭਵਿਤਾ ਅਤੇ ਭਲਾ-ਭੁਲਾ ਸਮੱਝਨੇ ਵਿੱਚ ਮਦਦ ਕਰਤੀ ਹੈ। ਗੀਤਾ ਜਧੀਂ ਦੀ ਮਹੱਤਤਾ ਇਸ ਬਾਤ ਵਿੱਚ ਹੈ ਕਿ ਹਮ ਅਪਨੇ ਜੀਵਨ ਦੀ ਗੀਤਾ ਦੀ ਉਪਦੇਸ਼ਾਂ ਦੀ ਅਨੁਸਾਰ ਸਹੀ ਦਿਸ਼ਾ ਦੇ ਸਕੇ।

ਉਲੰਘਨੀਅ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਆਯੋਜਨ ਵਿੱਚ 18 ਵਰ਷ੀ ਬੱਚੀਆਂ ਨੇ ਏਕ ਸਥਾਨ ਪਰ ਬੈਠਕਰ ਗੀਤਾ ਦੀ ਮੰਤ੍ਰਾਂ ਦੀ ਉਚਚਾਰਣ ਕਿਯਾ ਅਤੇ ਪੂਰੀ ਵਿਸ਼ਵ ਭਰ ਵਿੱਚ ਲਗਭਗ 20 ਲੋਕਾਂ ਨੇ ਆਨਲਾਈਨ ਮਾਧਿਅਮ ਦੀ ਭਾਗ ਲਿਆ। ਯਹ ਵੈਖਿਕ ਗੀਤਾ ਪਾਠ ਬੰਗਲਾਦੇਸ਼ ਵਿੱਚ ਹਿੰਦੁਆਂ ਦੀ ਰਕਾ ਅਤੇ ਮੰਦਿਰਾਂ ਦੀ ਸੁਰਕਾ ਦੀ ਸਮਰਪਿਤ ਰਹਾ।

ਭਾਰਤ ਦੀ ਵਿਵਿਧ ਭਾਸ਼ਾਈ ਪਰਾਪਰਾਏਂ ਰਾਸ਼ਟ੍ਰੀਅ ਏਕਤਾ ਕੇ ਪ੍ਰੋਤਸਾਹਿਤ ਕਰਨੀ ਹੈ : ਪ੍ਰੋ. ਗੀਤਾ ਫੋਗਾਟ

ਹਿੰਦੀ, ਸਾਂਕੂਤ ਅਤੇ ਅੰਗੋਜੀ ਵਿਆਗ ਦੀ ਅਧਿਕਾਰੀ ਪ੍ਰੋ. ਗੀਤਾ ਫੋਗਾਟ ਨੇ ਇਸ ਵਾਰ ਦੀ ਭਾਰਤੀਅ ਭਾਸ਼ਾ ਤੱਤਸ਼ਵ ਦੀ ਥੀਮ 'ਭਾਸ਼ਾਓਂ ਦੀ ਮਾਧਿਅਮ ਦੀ ਏਕਤਾ' ਦੀ ਜਾਗਰਾਰੀ ਕੀਤੀ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਯਹ ਥੀਮ ਦੀ ਰਾਸ਼ਟ੍ਰੀਅ ਹੈ ਕਿ ਭਾਰਤ ਦੀ ਵਿਵਿਧ ਭਾਸ਼ਾਈ ਪਰਾਪਰਾਏਂ ਰਾਸ਼ਟ੍ਰੀਅ ਏਕਤਾ ਦੀ ਪ੍ਰੋਤਸਾਹਿਤ ਕਰਨੀ ਹੈ ਅਤੇ ਏਕ ਸਾਮੰਜਸ਼ਪੂਰਣ ਸਮਾਜ ਦੀ ਨਿਰਮਾਣ ਕਰਨੀ ਹੈ।

ਪ੍ਰੋ. ਰਹਿ ਮੂਖਣ ਨੇ ਮਹਾਕਵਿ ਸੁਭਰਮਣਾ ਭਾਰਤੀ ਦੀ ਜੀਵਨ ਏਵਾਂ ਭਾਸ਼ਾ ਵਿਕਾਸ ਮੈਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਯੋਗਦਾਨ ਦੀ ਰਾਸ਼ਟ੍ਰੀਅ ਭਾਸ਼ਾਓਂ ਦੀ ਸਮੁੱਲੀ ਦੀ ਸਮਝਾਨ ਅਤੇ ਏਕ ਭਾਸ਼ਾਈ ਰੂਪ ਦੀ ਜਾਗਰੂਕ ਅਤੇ ਸਾਂਸਕ੃ਤਿਕ ਰੂਪ ਦੀ ਸਮਾਵੇਂ ਪੀਂਡੀ ਦੀ ਨਿਰਮਾਣ ਮੈਂ ਯੋਗਦਾਨ ਦੀ ਅਵਸਰ ਪ੍ਰਦਾਨ ਕਰਨਾ ਹੈ। ਸ਼ੋਧਾਰੀ ਅਨੀਂ ਨੇ ਅੰਗੋਜੀ ਦੀ ਬਢਤੀ ਅਵਸਰ ਪ੍ਰਦਾਨ ਕਰਨਾ ਹੈ।

ਪ੍ਰੋ. ਗੀਤਾ ਫੋਗਾਟ ਦੀ ਚਲਾਈ ਪ੍ਰਾਪਤ ਹੈ ਕਿ ਹਿੰਦੀ ਦੀ ਪ੍ਰਾਤਿ ਘਟਤੇ ਰੂਝਾਨ ਪਰ ਚਿੰਨਾ ਜਾਹਿਰ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ। ਇਸ ਅਵਸਰ ਪਰ ਡਾਂ. ਸੁਕਾਰੀਤ, ਪ੍ਰੋ. ਅਮ੃ਤਾ, ਡਾਂ. ਅਜੀਤ ਸਿੰਘ, ਬਾਬੀਤਾ ਅਤੇ ਡਾਂ. ਪਲਲਕੀ ਸਾਹਿਤ ਹਿੰਦੀ, ਸਾਂਕੂਤ, ਅੰਗੋਜੀ ਦੀ ਏਵਾਂ ਵਿਦੇਸ਼ੀ ਭਾਸ਼ਾ ਵਿਆਗ ਦੀ ਸ਼ੋਧਾਰੀ ਏਵਾਂ ਭਾਗ ਵਿੱਚ ਉਪਸਥਿਤ ਰਹੇ।



महाकवि सुद्धमण्यम् भारती की जायंती पर कार्टृप्रियम्



गोहना | खानपुर कलां गांव में स्थित बीपीएस महिला विवि में गुरुवार को महाकवि सुद्धमण्यम् भारती की जयंती के उपलक्ष्य में भारतीय भाषा उत्सव मनाया गया। कार्यक्रम का आयोजन विवि के कला एवं भाषा संकाय द्वारा यूजीसी के निर्देशानुसार किया गया। विवि की कुलपति प्रो. सुदेश ने कहा कि भारत की भाषाई और सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित करने और बढ़ावा देने के लिए भारतीय भाषाओं को शिक्षा के सभी स्तरों में शामिल करना आवश्यक है। हिंदी, संस्कृत एवं अंग्रेजी विभागाध्यक्ष प्रो. गीता फोगाट ने भारतीय भाषा उत्सव के थीम भाषाओं के माध्यम से एकता की जानकारी दी। इस अवसर पर डॉ. सुकीर्ति, प्रो. अमृता, डॉ. अजीत सिंह, बनीता एवं डॉ. पल्लवी आदि उपस्थित थे।

हमारे जीवन के हर पहल से जुड़ी हैं गीता : प्रो. सुदेश

गोहना | खानपुर कलां गांव में स्थित बीपीएस माहिला विवि की कुलपति प्रो. सुदेश ने अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव में आयोजित वैशिखक गीता पाठ में ऑनलाइन माध्यम से हिस्सा लिया। उन्होंने कहा कि भगवद् गीता का संवाद भगवन् श्री कृष्ण और अर्जुन के बीच कुरुक्षेत्र की युद्ध भूमि पर हुआ था। गीता हमारे जीवन के हर पहल से जुड़ी हुई है। गीता हमें धर्म, कर्म, योग, भक्ति को समझाने में मद्द करती है। गीता कर्म को आधिक महत्व देती है। हमें अपने कर्म धर्म के अनुसार करने चाहिए। उन्होंने छात्राओं को गीता के उपदेशों को अपने जीवन में धारण करने का भी संदेश दिया।

जीवन के हर पहलू से जुड़ी हुई है गीता

गोहाना। गांव खानपुर कलां स्थित भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुदेश ने अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव में आयोजित वैश्विक गीता पाठ में ऑनलाइन माध्यम से हिस्सा लिया। कुलपति प्रो. सुदेश ने कहा कि श्रीमद्भागवत गीता का संवाद भगवान श्री कृष्ण और अर्जुन के बीच कुरुक्षेत्र की युद्ध भूमि पर हुआ था।

कुलपति प्रो. सुदेश ने बताया कि जीवन के हर पहलू से जुड़ी गीता हमें धर्म, कर्म, योग, भक्ति और भला-बुरा समझने में मदद करती है। गीता जयंती का महत्व इस बात में है कि हम अपने जीवन को गीता के उपदेशों के अनुसार सही दिशा दे सकें।

आयोजन में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी व केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल सहित अन्य ने शिरकत की थी। इस आयोजन में 18 हजार बच्चों ने एक स्थान पर बैठकर गीता के मंत्रों का उच्चारण किया और विश्व में करीब डेढ़ करोड़ लोगों ने ऑनलाइन माध्यम से भाग लिया। संवाद



भारतीय भाषाओं को शिक्षा में शामिल करना आवश्यक



सोनीपत के गांव खानपुर कलां स्थित बीपीएस महिला विवि में आयोजित भारतीय भाषा उत्सव के दौरान प्राध्यापक एवं छात्राएं। स्रोत : विवि

गोहाना। गांव खानपुर कलां स्थित भगत फूल सिंह (बीपीएस) महिला विश्वविद्यालय में महाकवि सुब्रह्मण्य भारती की जयंती के उपलक्ष्य में भारतीय भाषा उत्सव का आयोजन किया गया।

यह आयोजन विवि के कला एवं भाषा संकाय की तरफ से विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के दिशा निर्देश पर किया गया है। विवि कुलपति प्रो. सुदेश ने बताया कि भारत की भाषाई व सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित करने और बढ़ावा देने के लिए भारतीय भाषाओं को शिक्षा के सभी स्तरों में शामिल करना

आवश्यक है। कला एवं भाषा संकाय के डीन प्रो. अशोक वर्मा ने भारतीय भाषा उत्सव के आयोजन के उद्देश्य व महत्ता से अवगत करवाया। प्रो. गीता फोगाट ने बताया कि थीम दर्शाती है कि भारत की विविध भाषाई परंपराएं राष्ट्रीय एकता को कैसे प्रोत्साहित करती हैं। प्रो. रवि भूषण ने बताया कि यह उत्सव छात्राओं को भारतीय भाषाओं की समृद्धता को समझने का काम करता है। साथ ही एक भाषाई रूप से जागरूक और सांस्कृतिक रूप से समावेशी पीढ़ी के निर्माण में योगदान देने का अवसर प्रदान करता है। संवाद

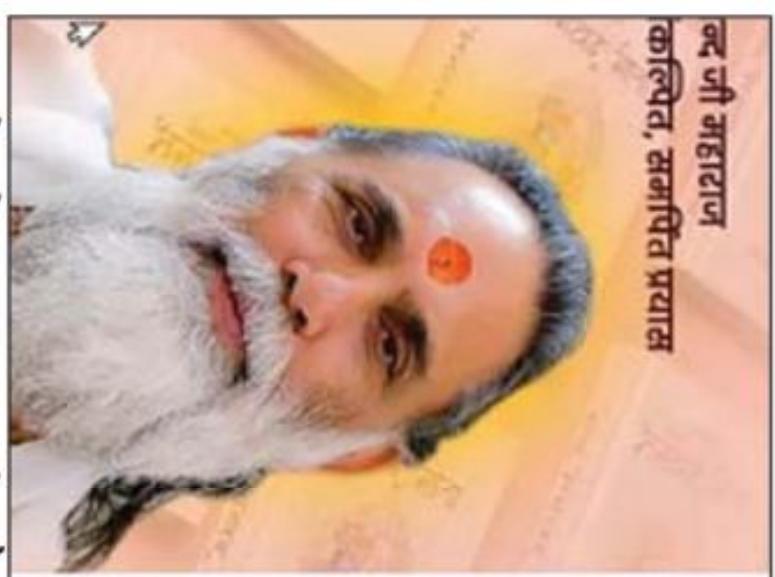
जीवन को गीता के उपदेश अनुसार सही दिशा दें : प्रो. सुदेश

जासं, गोहाना : खानपुर कलां स्थित
भगत फूल सिंह महिला
विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुदेश
ने अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव में
आयोजित वैश्विक गीता पाठ में
आनलाइन माध्यम से हिस्सा लिया।
कुलपति प्रो. सुदेश ने कहा कि
भागवद गीता का संवाद भगवान् श्री
कृष्ण और अर्जुन के बीच कुरुक्षेत्र
की युद्ध भूमि पर हुआ था। उन्होंने
कहा कि जीवन के हर पहलू से जुड़ी
हुई गीता हमें धर्म, कर्म, योग, भक्ति,
और भला-बुरा समझने में मदद
करती है। कुलपति ने कहा कि गीता
जयंती का महत्व इस बात में है कि
हम अपने जीवन को गीता के उपदेशों
के अनुसार सही दिशा दे सकें।

इस आयोजन में मुख्यमंत्री नायब
सिंह सैनी, केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर
लाल, गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद
सहित अन्य गणमान्य हस्तियों ने
शिरकत की।

आपने जीवन को गीता के उपदेशों के अनुसार देखी दिलाः प्रो.- प्रो. सुदेश

खानपुर कला, चेतना संवाददाता। भगत, फूल, सिंह महिला लिंबि की कुलपति प्रो. सुदेश ने अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव में गीता जयंती के अवसर पर कुरुक्षेत्र के थीम पार्क में आयोजित वैश्विक गीता पाठ में ऑनलाइन माध्यम से हिस्सा लिया। 'एक मिनट एक साथ गीता पाठ' नामक इस वैश्विक गीता पाठ में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल, गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद सहित अन्य गणमान्य हस्तियों ने शिरकत की। कुलपति प्रो. सुदेश ने लिंबि का महत्व इस बात में है कि हम अपने जीवन को गीता के उपदेशों के अनुसार सही दिशा दे सकें। उल्लेखनीय है कि इस आयोजन में 18 हजार बच्चों ने एक स्थान



समझने में मद्द करती है। कुलपति ने कहा कि गीता जयंती का महत्व इस बात में है कि हम अपने जीवन को गीता के उपदेशों के अनुसार सही दिशा दे सकें।

पर बैठकर गीता के मंत्रों का उच्चारण किया और पूरे बिश्व भर में लगभग डेंड करोड़ लोगों ने ऑनलाइन माध्यम से भाग लिया। यह वैश्विक गीता पाठ बांग्लादेश में हिन्दुओं की रक्षा और मादिरों की सुरक्षा के लिए समर्पित रहा।



भाषाकृषि यज्ञमाला में भारतीय भाषा उत्सव आयोजित

भारत की भाषाई और सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित करने और बढ़ावा देने में भारतीय भाषाओं की अहम भूमिका : कुलपति



खानपुर कला, चेतना संबाददाता। भगत फूल सिंह महिला विवि के कला एवं भाषा संकाय द्वारा यू.जी.सी. के दिशानिर्देशों के अनुसार महाकवि सुब्रमण्यम भारती की जयंती के त्यलक्ष्य में 'भारतीय भाषा उत्सव' का आयोजन किया गया। महिला विवि की कुलपति प्रो. मुद्देश ने इस कार्यक्रम के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आन्नाओं को अपनी जड़ों और भारतीय परंपराओं व सांस्कृतिक मूल्यों से जोड़ने में शामिल करना चाहिए।

डीन, कला एवं भाषा संकाय प्रो. शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आन्नाओं को अपनी जड़ों और भारतीय परंपराओं व सांस्कृतिक मूल्यों से जोड़ने में इस प्रकार के कार्यक्रम अहम भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि भारत की भाषाओं के त्यलक्ष्य में भारतीय भाषा संकाय एवं उत्सव के अनुसार महाकवि सुब्रमण्यम भारती की जयंती के त्यलक्ष्य में 'भारतीय भाषा उत्सव'

संरक्षित करने और बढ़ावा देने के लिए भारतीय भाषाओं को शिक्षा के सभी स्तरों में शामिल करना चाहिए। डीन, कला एवं भाषा संकाय प्रो. अशोक वर्मा ने अपने वक्तव्य में 'भारतीय भाषा उत्सव' के आयोजन के द्वेष्य एवं उसकी महत्वांकिता बताया कि यह थीम दर्शाता है कि भारत की विविध भाषाएं भाषा उत्सव के थीम भाषाओं के बढ़ावा देने के लिए यह कार्यक्रम महाकवि सुब्रमण्यम भारती की जयंती के द्वेष्य एवं उत्सव के अनुसार महाकवि सुब्रमण्यम भारती की जयंती के द्वेष्य एवं उत्सव के अनुसार आयोजन करना चाहिए।

भाषा उत्सव के थीम भाषाओं के बढ़ावा देने के लिए यह कार्यक्रम महाकवि सुब्रमण्यम भारती की जयंती के द्वेष्य एवं उत्सव के अनुसार आयोजन करना चाहिए। डीन, कला एवं भाषा संकाय प्रो. अशोक वर्मा ने अपने वक्तव्य में 'भारतीय भाषा उत्सव' के आयोजन के द्वेष्य एवं उसकी महत्वांकिता बताया कि यह थीम दर्शाता है कि भारत की विविध भाषाएं भाषा उत्सव के थीम भाषाओं के बढ़ावा देने के लिए यह कार्यक्रम महाकवि सुब्रमण्यम भारती की जयंती के द्वेष्य एवं उत्सव के अनुसार आयोजन करना चाहिए।

भाषा उत्सव के थीम भाषाओं के बढ़ावा देने के लिए यह कार्यक्रम महाकवि सुब्रमण्यम भारती की जयंती के द्वेष्य एवं उत्सव के अनुसार आयोजन करना चाहिए। डीन, कला एवं भाषा संकाय प्रो. अशोक वर्मा ने अपने वक्तव्य में 'भारतीय भाषा उत्सव' के आयोजन के द्वेष्य एवं उसकी महत्वांकिता बताया कि यह थीम दर्शाता है कि भारत की विविध भाषाएं भाषा उत्सव के थीम भाषाओं के बढ़ावा देने के लिए यह कार्यक्रम महाकवि सुब्रमण्यम भारती की जयंती के द्वेष्य एवं उत्सव के अनुसार आयोजन करना चाहिए।

भाषा उत्सव के थीम भाषाओं के बढ़ावा देने के लिए यह कार्यक्रम महाकवि सुब्रमण्यम भारती की जयंती के द्वेष्य एवं उत्सव के अनुसार आयोजन करना चाहिए। डीन, कला एवं भाषा संकाय प्रो. अशोक वर्मा ने अपने वक्तव्य में 'भारतीय भाषा उत्सव' के आयोजन के द्वेष्य एवं उसकी महत्वांकिता बताया कि यह थीम दर्शाता है कि भारत की विविध भाषाएं भाषा उत्सव के थीम भाषाओं के बढ़ावा देने के लिए यह कार्यक्रम महाकवि सुब्रमण्यम भारती की जयंती के द्वेष्य एवं उत्सव के अनुसार आयोजन करना चाहिए।

आपने जीवन को गीता के अद्देशों के

अज्ञान दे सही दिलाः कुलपति प्रौ. सुदेश

ऋषि की आवाज खानपुर कलां। भात फूल सिंह महिला विवि की कुलपति प्रौ. सुदेश ने अंतर्गत्य गीता पहेत्सव में गीता जयंती के अवसर पर कुरुक्षेत्र के थीम पार्क में आयोजित वैशिक गीता पाठ में ऑनलाइन माध्यम से हिस्सा लिया। एक मिनट एक साथ गीता पाठ नामक इस वैशिक गीता पाठ में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, केंद्रीय ऊर्जा मंत्री पनोहर लाल, गीता मनोजी स्वामी ज्ञानानंद सहित अन्य



बात में है कि हम अपने जीवन को गीता के उपदेशों के अनुसार सही दिशा दे सकें। उल्लेखनीय है कि इस आयोजन में 18 हजार बच्चों ने एक स्थान पर बैठकर गीता के मंत्रों का उच्चारण किया और पूरे विश्व भर में लगभग डेढ़ करोड़ लोगों ने ऑनलाइन माध्यम से धारा लिया। यह वैशिक भक्ति, और भला-बुरा समझने में प्रदर्शन करती है। कुलपति ने कहा कि गीता जयंती का महत्व इस समर्पित रहा।

हरिभूमि

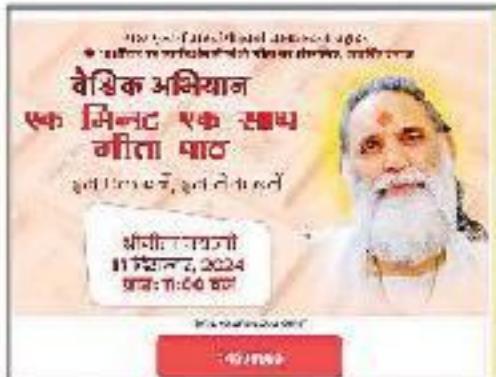
epaper.haribhoomi.com

Rohtak Sonipat 13.12.2024 - 13 Dec 2024 - Page 3

भागवत गीता धर्म और कर्म को समझने में करती है मददः वीसी

हरिभूमि ज्यूज़||गोहाना

भगत फूल सिंह महिला विवि, खानपुर कलां की कुलपति प्रो. सुदेश ने अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव में गीता जयंती के अवसर पर कुरुक्षेत्र के थीम पार्क में आयोजित वैश्विक गीता पाठ में ऑनलाइन माध्यम से हिस्सा लिया। एक मिनट एक साथ गीता पाठ नामक इस वैश्विक गीता पाठ में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल, गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद सहित अन्य गणमान्य हस्तियों ने शिरकत की। कुलपति प्रो. सुदेश ने विश्वविद्यालय के हितधारकों के नाम अपने संदेश में कहा कि भगवद्



गोहाना। वैश्विक गीता पाठ में ऑनलाइन माध्यम से हिस्सा लेते महिला विवि की कुलपति प्रो. सुदेश।

गीता का संवाद भगवान श्री कृष्ण और अर्जुन के बीच कुरुक्षेत्र की युद्ध भूमि पर हुआ था। जीवन के हर पहलू से जुड़ी हुई गीता हमें धर्म, कर्म, योग, भक्ति, और भला-बुरा समझने में मदद करती है। कुलपति ने कहा कि गीता जयंती का महत्व इस बात में है कि हम अपने जीवन को गीता के उपदेशों के अनुसार

सही दिशा दे सकें। उल्लेखनीय है कि इस आयोजन में 18 हजार बच्चों ने एक स्थान पर बैठकर गीता के मंत्रों का उच्चारण किया और पूरे विश्व भर में लगभग डेढ़ करोड़ लोगों ने ऑनलाइन माध्यम से भाग लिया। यह वैश्विक गीता पाठ बांग्लादेश में हिन्दुओं की रक्षा और मंदिरों की सुरक्षा के लिए समर्पित रहा।

कार्यक्रम

महिला विवि में महाकवि सुब्रमण्यम् भारती की जयंती के उपलक्ष्यमें भारतीय भाषा उत्सव

भारतीय भाषा उत्सव
के थीम भाषाओं के
माध्यम से एकता की
जानकारी दी

भाषाई-सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित करना हमारी जिम्मेदारी : प्रो. सुदेश

हरिभूमि न्यूज़ ►| गोलाना

भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय, खनपुर कलाओं के कला एवं भाषा संकाय द्वारा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के दिशानिर्देशों के अनुसार भारतीय भाषा उत्सव आयोजित किया गया। यह समारोह महाकवि सुब्रमण्यम् भारती की जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित हुआ। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुदेश ने कार्यक्रम के लिए शुभकामनाएं दी। कुलपति ने कहा कि भारत की भाषाई और सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित करने और बढ़ावा देने के लिए भारतीय भाषाओं को शिक्षा के सभी स्तरों में शामिल करना आवश्यक है।



हमारे सांस्कृतिक मूल्य हमारी पहचान हैं। हमें अपने सांस्कृतिक मूल्यों को संजोकर रखने की ज़रूरत है। इस प्रकार के कार्यक्रम भारतीय महाकवि सुब्रमण्यम् भारती के जीवन एवं भाषा विकास में उनके योगदान को रेखांकित किया। शोधार्थी अनीश ने अंग्रेजी के बढ़ते प्रयोग के चलते युवा पीढ़ी में हिंदी के प्रति

संकाय प्रो. अशोक वर्मा के अनुसार भाषा विविधता को मनाने और उसमें एकता की भावना को बढ़ावा देने के लिए यह कार्यक्रम महाकवि सुब्रमण्यम् भारती की जयंती के दिन 11 दिसंबर को मनाया जाता है। उन्होंने भाषा घटते रूझान पर चिंता जाहिर की। डॉ. सुकीर्ति ने धन्यवाद जापित किया। प्रो. अमृता, डॉ. अजीत सिंह, बबीता एवं डॉ. पल्लवी महित हिंदी, संस्कृत, अंग्रेजी एवं विदेशी भाषा विभाग के शोधार्थी एवं छात्राएं उपस्थित रहे।



उत्सव के दौरान प्राध्यापक एवं छात्राएं।

महाकवि सुब्रमण्यम भारती की जयंती के उपलक्ष्य में 'भारतीय भाषा उत्सव' का आयोजन

गोहाना, 12 दिसम्बर (रामानिवास धीमान) : उपमंडल के गांव खानपुर कलां स्थित भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के कला एवं भाषा संकाय द्वारा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यू.जी.सी.) के दिशानिर्देशों के अनुसार महाकवि सुब्रमण्यम भारती की जयंती के उपलक्ष्य में 'भारतीय भाषा उत्सव' का आयोजन किया गया। जिसमें महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुदेश ने कहा कि छात्राओं को अपनी जड़ों और भारतीय परंपराओं व सांस्कृतिक मूल्यों से जोड़ने में इस प्रकार के कार्यक्रम अहम भूमिका निभाते हैं। डीन, कला एवं भाषा संकाय प्रो. अशोक कर्मा ने कहा कि भाषा विविधता को मनाने और उसमें एकता

की भावना को बढ़ावा देने के लिए यह कार्यक्रम महाकवि सुब्रमण्यम भारती की जयंती के दिन 11 दिसम्बर को मनाया जाता है। प्रो. रवि भूषण ने महाकवि सुब्रमण्यम भारती के जीवन एवं भाषा विकास में उनके योगदान को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि यह उत्सव छात्राओं को भारतीय भाषाओं की समृद्धता को समझने और एक भाषाई रूप से जागरूक और सांस्कृतिक रूप से समावेशी पीढ़ी के निर्माण में योगदान देने का अवसर प्रदान करता है। इस अवसर पर प्रो. अमृता, डॉ. अजीत सिंह, बबीता एवं डॉ. पल्लवी सहित हिंदी, संस्कृत, अंग्रेजी एवं विदेशी भाषा विभाग के शोधार्थी एवं छात्राएं उपस्थित रहे।

अजीत समाचार

उत्तर भारत का सम्पूर्ण अखबार

http://www.ajitsamachar.com/20241213/27/7/1_1.cms

13-Dec-2024

Page: 7



Home / Hindi News / अपने जीवन को गीता के उपदेशों के अनुसार दें सही दिशा: कुलपति प्रो. सुदेश

Play / Stop Audio

अपने जीवन को गीता के उपदेशों के अनुसार दें सही दिशा: कुलपति प्रो. सुदेश

Girish Salini Dec 12, 2024 08:23

[f](#) [t](#) [in](#) [p](#) [d](#)

POPULAR POSTS

Weekly Posts



MP govt's sixth Regional Industry Conclave begins in Narmadapuram



Karuna Pandey reflects on the transformative power of love...



"CID has been one of the longest-running shows in India..."



Priyanka Chopra, Nick Jonas share a sneak peek into their...



Dance Ka Maha Muqabla: Remo Dsouza is torn in giving his...

We are 600+ family strong

BERA NO: PRERA-LH444-PR0449

Hasnain's parents can't save him from cancer alone. Please help him!

Hasnain's parents can't save him from cancer alone. Please help him!

Hasnain's parents can't save him from cancer alone. Please help him!

DONATE NOW

FOLLOW US

[Facebook](#)

[Twitter](#)

[LinkedIn](#)

[YouTube](#)

[Email](#)

Tags: Give life right direction, teachings of Gita, VC Prof. Sudesh

RELATED POSTS



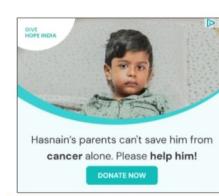
किसास के कैप्टीन 24 को



सीएए नायब सेनी से मिलकर कुलपति



विकास भार के मिशन को पूरा करने में शिक्षकों की अपीली...



Hasnain's parents can't save him from cancer alone. Please help him!

DONATE NOW

COMMENTS

Name

Name

Email

Email

Comment

Comment

 I'm not a robot

CAPTCHA

Post Comment

RECOMMENDED POSTS



Leadership tussle in INDIA bloc sparks political debate



Eating dark, but not milk, chocolate may cut diabetes risk...



Both Kejriwal, Gandhiji went to jail for a cause: AAP leader...



Exposed after Biden pardons son, 'vulnerable' US justice...



Rahul Gandhi does not have faith in Constitution: Gourav...



Resisting the new colonial masters: How India's sovereignty...

CONTACT US

For Advertisement, News, Article, Advertorial, Feature etc please contact us: cityairnews@gmail.com

Home / Hindi News / भारत की भाषाएँ और सांस्कृतिक परंपरा को संरक्षित करने और बढ़ावा देने में भारतीय भाषाओं की जगत मुख्यमान् कुलाली और शुद्धि।

Play / Stop Audio

भारत की भाषाएँ और सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित करने और बढ़ावा देने में भारतीय भाषाओं की अहम भूमिका: कुलपति प्रो. सुदेश

POPULAR POSTS

Weekly Posts

 MP govt's sixth Regional Industry Conclave begins in Namadapuram

 CID has been one of the longest-running shows in India...

 Priyanka Chopra, Nick Jonas share a sneak peek into their...

 Dance Ka Maha Muqabla: Remo Dsouza is torn in giving his...

We are 600+ family strong
Yours could be next
BERA NO : PBRAA-L044-PRO449
HAMPTON HOMES
SUSTAINABLE LIVING

लालनपुर कला, मिरीश सेती। भारत पूर्ण रिह महिला विडियो के कला एवं भाषा संकाय द्वारा यू.जी.सी. के दिव्यानेटिकों के अनुसार महाकालि सुधामण्डा भारती की जयती के उपरांग में "भारतीय भाषा उत्तरा" का आधीक्षन किया गया।

महिला विडियो की क्रमांकित प्रो. सुदेश ने इस कार्यक्रम के लिए सुधामण्डा एवं हुए कह कि जातियों को अपनी जड़ों और भारतीय परंपराओं व संस्कृतिक मूलों से जीतने में इस प्रबल के लाभान्वत अपनी भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि भारत की भाषाएँ और सांस्कृतिक परंपराएँ का संरक्षित करने और बढ़ावा देने के लिए प्रत्येक जातियों को विडियो के साथ साथ में शामिल करना आवश्यक है।

जीवं, कला एवं भाषा संकाय प्रो. अपार्क दर्मा ने अपने उत्तरांग में "भारतीय भाषा उत्तरा" के अध्यक्षों के उद्देश्य एवं उत्तरांग महासभा से अनुत्तर करताया। उन्होंने कहा कि भाषा विडियोकाल को मनाने और उसमें एकता की व्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए यह कार्यक्रम महाकालि सुधामण्डा भारती की जयती के उपरांग में "भारतीय भाषा उत्तरा" का आधीक्षन किया गया।

प्राप्त में हिन्दी, संस्कृत एवं अंग्रेजी विडियोप्रैज़ प्रो. गीता फोगेट ने खाता संस्कृता किया और इस कथे भारतीय भाषा उत्तरांग के लिए यह कार्यक्रम महाकालि सुधामण्डा भारती की जयती के उपरांग में "भारतीय भाषा उत्तरा" को लाना चाहता है। उन्होंने कहा कि भारत की विडियो की भाषाएँ और सांस्कृतिक परंपराएँ को संरक्षित करने और बढ़ावा देने के लिए प्रत्येक जातियों को विडियो के साथ साथ में शामिल करना आवश्यक है।

प्रो. रवि भूषण ने अपने संबोधन में महाकालि सुधामण्डा भारती के जीवं एवं भाषा विडियो में उनके योगदान को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि यह उत्तर कालियों को भारतीय भाषाओं की समृद्धि को समझने और एक भाषाएँ रूप से लालनपुर की साथानें पौरी के निर्माण में सहायता देने का अवसर प्रदान करता है।

योगार्थी अधिक ने अपेक्षी के बढ़ावे प्राप्त करते कुछ दौड़ी में हिंदी के प्रति प्रत्येक रुक्मन पर विजय जाइए की। कार्यक्रम के अंत में जा, सुधामण्डा ने योगार्थी अधिकारी की दीवानगर की समृद्धि को लालनपुर के लालनपुर और सांस्कृतिक रूप से भाषा विडियो के योगार्थी एवं उत्तरांग में नोटूर रखे।

Tags: Indian languages | India's linguistic and cultural heritage

RELATED POSTS

किसान सम्मेलन के केपतीयां 24 को...
सिंगर नासीब सेहरी से मिलकर कुलपति ने दिया जीपू के टू-परिसर...
विकासित भारत के मिशन को पूरा करने में शिक्षकों की अप्रयोगी...

RECOMMENDED POSTS

Leadership tussle in INDIA bloc sparks political debate
Both Kejriwal, Gandhiji went to jail for a cause: AAP leader...

Exposed after Biden pardons son, 'vulnerable' US justice...
Rahul Gandhi does not have faith in Constitution: Gourav...
Resisting the new colonial masters: How India's sovereignty...

COMMENTS

Name: Email:
Comment:
 I'm not a robot 

Post Comment

CONTACT US

For Advertisement, News, Article, Advertorial, Feature etc please contact us: cityairnews@gmail.com

CITY AIR NEWS

The web portal that brings the latest breaking news in Ludhiana and the way across Punjab is using International language i.e. English for daily news. Even today's headline in English was liked by many. The website has business news in English, latest Bollywood gossips, sports updates and political news.

BROWSE CATEGORY

- Hindi Literature
- Sports
- Lifestyle
- Entertainment

SOCIAL MEDIA

Subscribe here to get interesting stuff and updates!

Email Address: Subscribe

© 2020 Cityairnews - All Rights Reserved. Designed & Developed By TechieFormation

Terms & Conditions | Privacy Policy

भारतीय भाषाओं को प्रत्येक स्तर पर शामिल करना जरूरी

महाकवि सुब्रमण्यम भारती की जयंती के उपलक्ष्य में “भारतीय भाषा उत्सव” का आयोजन



गोहाना मुद्रिका न्यूज , 12 दिसम्बर :

बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय के कला एवं भाषा संकाय द्वारा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यू.जी.सी.) के दिशानिर्देशों के अनुसार महाकवि सुब्रमण्यम भारती की जयंती के उपलक्ष्य में “भारतीय भाषा उत्सव” का आयोजन किया गया।

महिला विश्वविद्यालय की वी.सी. प्रो. सुदेश ने कहा कि छात्राओं को अपनी जड़ों और भारतीय परंपराओं व सांस्कृतिक मूल्यों से जोड़ना चाहिए। भारत की भाषाई और सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित करने और बढ़ावा देने के लिए भारतीय भाषाओं को शिक्षा के सभी स्तरों में शामिल करना आवश्यक है।

कला एवं भाषा संकाय के डीन प्रो. अशोक वर्मा ने “भारतीय भाषा उत्सव” के आयोजन के उद्देश्य एवं उसकी महत्ता से अवगत करवाया। उन्होंने कहा कि भाषा विविधता में एकता की भावना को बढ़ावा देने के लिए महाकवि सुब्रमण्यम भारती की जयंती को मनाया जाता है। उन्होंने भाषा की शुचिता बरकरार रखने की जरूरत पर बल दिया।

हिंदी, संस्कृत एवं अंग्रेजी विभाग की अध्यक्ष

प्रो. गीता फोगाट ने इस वर्ष के भारतीय भाषा उत्सव के थीम “भाषाओं के माध्यम से एकता” की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह थीम दर्शाता है कि भारत की विविध भाषाई परंपराएं राष्ट्रीय एकता को प्रोत्साहित करती हैं और एक सामंजस्यपूर्ण समाज का निर्माण करती हैं।

प्रो. रवि भूषण ने महाकवि सुब्रमण्यम भारती के जीवन एवं भाषा विकास में उनके योगदान को रेखांकित किया।

उन्होंने कहा कि यह उत्सव छात्राओं को भारतीय भाषाओं की समृद्धि को समझने और एक भाषाई रूप से जागरूक और सांस्कृतिक रूप से समावेशी पीढ़ी के निर्माण में योगदान देने का अवसर प्रदान करता है।

शोधार्थी अनीश ने अंग्रेजी के बढ़ते प्रयोग के चलते यवा पीढ़ी में हिंदी के प्रति घटते रूझान पर चिंता जाहिर की। इस अवसर पर डॉ. सुकीर्ति, प्रो. अमृता, डॉ. अजीत सिंह, बबीता एवं डॉ. पल्लवी सहित हिंदी, संस्कृत, अंग्रेजी एवं विदेशी भाषा विभाग के शोधार्थी एवं छात्राएं उपस्थित रहे।

बी.सी. ने वैश्वक गीता पाठ में ऑनलाइन लिया हिरण्य

गोहाना मुद्रिका न्यूज, 12 दिसम्बर :

बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय की बी.सी. प्रो. सुदेश ने अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव में गीता जयंती के अवसर पर कुरुक्षेत्र के थीम पार्क में आयोजित वैश्वक गीता पाठ में ऑनलाइन माध्यम से हिस्सा लिया। एक मिनट एक साथ गीता पाठ नामक इस वैश्वक गीता पाठ में मञ्चमंत्री नायब सिंह सैनी, केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल, गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद सहित अन्य गणमान्य हस्तियों ने शिरकत की।

प्रो. सुदेश ने विश्वविद्यालय के हितधारकों के नाम अपने संदेश में कहा कि भगवद गीता का संवाद भगवान श्री कृष्ण और अर्जुन के बीच कुरुक्षेत्र की युद्ध भूमि पर हुआ था। उन्होंने कहा कि जीवन के हर पहल से जुड़ी हुई गीता हमें धर्म, कर्म, योग, भक्ति, और भला-बुरा समझने में मदद करती है। बी.सी. ने कहा कि गीता जयंती का महत्व इस बात में है कि हम अपने जीवन को गीता के उपदेशों के अनुसार सही दिशा दे सकें।